Regarding rejuvenation of various canals and ponds in the country-laid

डॉ. ढालसिंह बिसेन (बालाघाट): देश में अनेक ऐसे तालाब है जो 50 से 100 वर्ष तक पुराने है। वर्षों पुराने तालाब एवं इनकी नहरें अत्यंत जर्जर एवं जीर्ण शीर्ण अवस्था में पहुंच गई है। नहरों के जीर्ण शीर्ण एवं जर्जर होने के कारण ज्यादातर पानी रिस कर बर्बाद होता है। किसानों को सिंचाई हेतु पानी नहीं मिल पाता है और फसलें नष्ट होती है। किसानों को नुकसान होता है। मेरे संसदीय क्षेत्र बालाघाट में वर्षों पुराने अनेक जलाशय हैं। जिनमें सिवनी जिले के संजय सरोवर, अरी, बोरी, सागर, चीचबंद एवं बालाघाट जिले के राजीव सागर, पचामा, नहलेसर्रा सहित और भी अन्य जलाशय हैं जो 50 वर्ष से 100 वर्ष के हैं इन जलाशयों की नहरें बहुत ही खराब और जर्जर हो चुकी है। किसानों को पानी नहीं मिल पा रहा है ज्यादातर पानी बर्बाद हो जाता है। सिंचाई के पानी के अभाव में किसान की फसल नष्ट हो जाती है। यदि इन लघु, मध्यम, बड़े जलाशय की नहरों का सीमेंटीकरण करा दिया जाता है जलाशयों के संपूर्ण जल का उपयोग होगा तथा नहरों से पानी रिसकर बर्बाद नहीं होगा । सरकार से आग्रह है कि इन वर्षों पुराने जलाशयों के जीर्णोद्धार सहित इनकी नहरों का सीमेंटीकरण कराये जाने की स्वीकृति प्रदान करेंगे।